RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM
यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India
FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS
VOL: 11 | ISSUE 186 | TUESDAY 14-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

रखें कार के साथ अब, किश्ती एक जनाब।
जानें सड़कें कब कहां, बन जायें तालाब।
बन जायें तालाब, न जाने कब ये सड़कें।
मानसून आ गया, नित्य हैं बादल कड़कें।
कह साहिल कविराय, तरीका जांचा-परखा।
पल में जल-थल करे, बरसती जब भी बरखा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

छह साल बाद खत्म हुआ नामी रियल एस्टेट कारोबारियों का हाईवोल्टेज विवाद

उपभोक्ताओं को जगी उम्मीद-अब कथित पंचायती जमीन से जुड़े मामलों का भी निकलेगा हल

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। शहर के रियल एस्टेट क्षेत्र में करीब छह वर्षों से चर्चा का विषय बना दो नामी कारोबारियों का हाईवोल्टेज विवाद आखिरकार समाप्त हो गया। रविवार देर शाम कुछ बुद्धिजीवियों, शुभचिंतकों और प्रभावशाली लोगों के प्रयासों से दोनों पक्षों के बीच समझौता होने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि एक राजनीतिक हस्ती की मौजूदगी में हुई बैठक के दौरान सकारात्मक माहौल में दोनों पक्षों को साथ बैठाकर मतभेद दूर किए गए।

इस समझौते को लुधियाना के रियल एस्टेट सेक्टर के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। कारोबारियों का कहना है कि लंबे समय से दोनों पक्षों के बीच चल रहे टकराव के कारण कई कारोबारी फैसले, प्रोजेक्ट और लेन-देन प्रभावित हुए थे। अब एक-दूसरे के खिलाफ खर्च होने वाली ऊर्जा यदि कारोबार और विकास में लगेगी तो मंदी और नकारात्मकता से जूझ रहे सेक्टर को नई रफ्तार मिल सकती है।

बताया जाता है कि दोनों कारोबारी लंबे समय तक साथ काम करते रहे, लेकिन करीब छह वर्ष पहले उनके बीच गंभीर मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि उसका असर केवल दोनों पक्षों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनसे जुड़े अन्य कारोबारियों, निवेशकों और ग्राहकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

समझौते के बाद सबसे अधिक उम्मीद उन उपभोक्ताओं को जगी है, जो कथित तौर पर पंचायत की जमीन से जुड़े विवादों में फंसे हुए हैं। कुछ खरीदारों का आरोप है कि संयुक्त रूप से कारोबार करने के दौरान उन्हें बेची गई बड़ी जमीनों में पंचायत की भूमि का हिस्सा भी शामिल था। खरीदारों के अनुसार, इस बात का पता उन्हें उस समय चला जब पंचायत से जुड़े लोगों ने मौके पर पहुंचकर जमीन की निशानदेही करते हुए बुर्जियां लगा दीं।

उपभोक्ताओं का कहना है कि दोनों कारोबारियों के बीच मनमुटाव के दौरान वे इस मामले की जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालते रहे। अब जबकि दोनों पक्षों के बीच सहमति बन गई है, खरीदारों को उम्मीद है कि कथित पंचायती जमीन, कब्जे और निशानदेही से जुड़े मामलों का भी कोई ठोस समाधान निकलेगा।

रियल एस्टेट क्षेत्र में सोमवार को पूरे दिन इस समझौते को लेकर चर्चा और उत्सुकता बनी रही। कारोबारी जगत में इसे 'ऑल इज वेल दैट एंड्स वेल' की कहावत से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि अब असली परीक्षा यह होगी कि यह समझौता केवल व्यक्तिगत विवाद समाप्त करने तक सीमित रहता है या इससे वर्षों से लंबित उपभोक्ताओं और निवेशकों की समस्याओं का भी समाधान निकलता है।

लुधियाना में लोगों पर रोहब झाड़ने को PSO रखने का नेताओं में बढ़ा क्रेज, इललीगल वर्दी पहना हथियार थमा घूमाते हैं साथ

कई युवाओं ने कारों पर इललीगल लगवा डाली पुलिस की नीली-लाल लाइटें

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। लुधियाना के नेताओं में लोगों पर दबदबा बनाए रखने और खुद की डैश दिखाने के लिए क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। यह क्रेज इतना हावी होता जा रहा है कि अब नेताओं और नेताओं के करीबियों ने सरेआम नियमों का उल्लंघन करना शुरू कर दिया है। लेकिन फिर भी प्रशासन द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। जिले के कई नेताओं और उनके करीबियों द्वारा अपने साथ प्राइवेट पीएसओ (पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर) तैनात कर रखे हैं। जिन्हें इललीगल तरीके से पंजाब पुलिस के कमांडो की वर्दी पहनाई जाती है। यहीं नहीं उन्हें हथियार भी दे रखे हैं, जिन्हें वे सरेआम लहराते हुए घूमते हैं। इनमें ज्यादातर नेता वो हैं, जिन्हें कोई गंभीर थ्रेट होने का मामला सामने नहीं आया है। यहां तक कि कइयों ने तो कारों पर पंजाब पुलिस की लाल-नीली बत्ती और ब्लैक फिल्म भी लगा रखी है। लुधियाना के पंजाब यूथ कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी सर्वोत्तम सिंह लक्की संधू, कांग्रेस के हल्का साउथ इंचार्ज ईश्वरजोत सिंह चीमा और भाजपा नेता व कारोबारी गुरवीर सिंह गरचा द्वारा नियम तोड़ने की वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इन लोगों द्वारा जमकर सोशल मीडिया पर अपनी सिक्योरिटी के साथ घूमते हुए वीडियोज अपलोड की जाती है। अब देखना होगा कि प्रशासन इन पर क्या एक्शन लेता है।

लक्की संधू के साथ उनका पीएसओ कमांडो वर्दी पहने खड़ा

ईश्वरजोत चीमा के साथ उनका पीएसओ कमांडो वर्दी पहने खड़ा

गुरवीर गरचा ने कार पर लगा रखी लाल-नीली बत्ती

कार पर ही लगा डाली नीली-लाल बत्ती

यहीं नहीं भाजपा नेताओं के करीबी मानें जाते भाजपा वर्कर गुरवीर सिंह गरचा द्वारा तो अपनी कार पर पंजाब पुलिस की नीली-लाल बत्ती तक लगवा रखी गई है। बेशक कुछ महीने पहले उन पर हमला हुआ था। लेकिन हमले के बाद सुरक्षा मिलना तो ठीक है, लेकिन कार पर नीली-लाल बत्ती लगाकर, ब्लैक फिल्म लगा घूमना कहां तक सही है, यह तो प्रशासनिक अधिकारी ही बता सकते हैं।

पुलिस और पीएसओ की वर्दी में फर्क जरुरी

एडवोकेट परोपकार सिंह घुम्मन का कहना है कि प्राइवेट पीएसओ रख सकते हैं, लेकिन पुलिस की यूनिफॉर्म पहनना गैरकानूनी है। हथियार कैरी हो सकते हैं, लेकिन उसे शो नहीं किया जा सकता। पुलिस और प्राइवेट पीएसओ की वर्दी में फर्क जरुरी है। इससे सरकारी और प्राइवेट व्यक्ति में अंतर रहता है।

पीएसओ को पहना रखी है कमांडो की वर्दी, दिए वेपन

कांग्रेस नेता लक्की संधू और ईश्वरजोत सिंह चीमा की ओर से अपने साथ प्राइवेट सुरक्षा कर्मी के तौर पर पीएसओ रखे हुए हैं। उन्हें पंजाब पुलिस के कमांडो की यूनिफॉर्म पहनाई जाती है। नियमों के मुताबिक यह यूनिफॉर्म आम व्यक्ति नहीं पहन सकता। यहीं नहीं उन्हें बड़े-बड़े हथियार भी थमाए हुए हैं। लेकिन एडवोकेट मुताबिक ऐसे हथियार हाथ में पकड़कर घूमा नहीं जा सकता। लेकिन यहां सरेआम बड़े-बड़े वेपन हाथों में पकड़कर घुमाए जाते हैं।

वीआईपी और अफसरों की सुरक्षा में खतरे की आशंका

वहीं चर्चा है कि इन प्राइवेट पीएसओ की ओर से सरकारी कमांडो की तरह वर्दी पहनकर वेपन कैरी किया जाता है। जिससे इन्हें पहचानना मुश्किल होता है। ऐसे में अगर किसी वीआईपी और अफसरों की सुरक्षा में ऐसे पीएसओ घुस जाए, तो उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। जिसके चलते प्रशासन को इस संबंधी गंभीर एक्शन लेने की जरुरत है।

पीएसओ नहीं पहन सकते वर्दी, हथियार पकड़ना भी गैरकानूनी

एडवोकेट अरूण खुरमी अनुसार पुलिस विभाग द्वारा परमिशन देने और व्यक्ति को खतरा होने के हालातों में ही पीएसओ रखा जा सकता है। परमिशन मिलने पर भी प्राइवेट पीएसओ पंजाब पुलिस कमांडो वर्दी नहीं पहन सकता। जिस व्यक्ति को पीएसओ मिला है, अगर वे साथ है तो ही पीएसओ उसका वेपन कैरी कर सकता है। लेकिन भारतीय कानून मुताबिक उसे छिपाकर रखना जरुरी है। अगर व्यक्ति मौके पर नहीं है तो वेपन कैरी करने का भी पीएसओ पर पर्चा दर्ज हो सकता है। डीजीपी के सख्त आदेश हैं कि बिना सरकारी आईडी प्रूफ के वर्दी नहीं दी जा सकती, फिर वर्दियां कैसे बेची जा रही है।

ब्लैकमेलिंग व मारपीट के है केस दर्ज

वर्ष 2023 में थाना मॉडल टाउन पुलिस ने लड़की जसनीत कौर द्वारा कारोबारियों को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस मामले में लक्की संधू को भी नामजद कर गिरफ्तार किया। जेल में बंद लक्की बीमारी का बहाना बनाकर चंडीगढ़ पीजीआई में इलाज की परमिशन ली थी। लेकिन वह पीजीआई की जगह रायकोट में एक शादी समारोह में भांगड़ा डालता दिखा। इस लापरवाही पर पुलिसकर्मियों पर भी गाज गिरी। वहीं कारोबारी गुरबीर सिंह गरचा के साथ साउथ सिटी रोड पर मारपीट करने के आरोप में थाना सराभा नगर की पुलिस ने सर्वोत्तम सिंह उर्फ लक्की संधू, राजविंदर मांगट, आकाश भद्दुल, अनमोल सिंह पर पर्चा दर्ज किया है। पुलिस ने जांच के दौरान लक्की संधू को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस लाइन के नजदीक ही मिल रही वर्दियां

पुलिस लाइन के नजदीक कई दुकानें खुली हुई है, जहां से पंजाब पुलिस की वर्दी से लेकर हर सामान मिलता है। चर्चा है कि इन नेताओं द्वारा अपने पीएसओ को वहीं से वर्दियां दिलाई जाती है। जबकि नियमों के मुताबिक बिना आईडी कार्ड और सरकारी मुलाजिम के कोई बाहरी व्यक्ति वर्दी नहीं ले सकता। लेकिन यहां पर सरेआम दुकानदार भी नियम तोड़ रहे हैं।

बिना पुलिस जांच के पीएसओ नहीं रखा जा सकता

एडवोकेट अरुण खुरमी मुताबिक पीएसओ कोई भी व्यक्ति सीधे नहीं रख सकता। वे पहले इस संबंधी पुलिस को जानकारी देता है। संबंधित जिले की पुलिस पहले एसआईटी बनाकर जांच करती है कि व्यक्ति के सच में थ्रेट या कोई खतरा है कि नहीं। फिर वे रिपोर्ट उच्च अफसरों के पास जाती है। उसमें बकायदा कितने मुलाजिम रखे जा सकते हैं, वे भी बताया जाता है। अफसर जांच करके या तो पंजाब पुलिस के मुलाजिम देगें या पंजाब सरकार के पास रजिस्टर्ड लाइसेंसी सुरक्षा एजेंसियों को पीएसओ देने के लिए परमिशन लेटर देगें। फिर एजेंसी द्वारा उनके पास रजिस्टर्ड पीएसओ आगे भेजे जाते हैं।

प्राइवेट पीएसओ नहीं पहन सकते वर्दी, हथियार पकड़ना भी गैरकानूनी

एडवोकेट अरूण खुरमी अनुसार पुलिस विभाग द्वारा परमिशन देने और व्यक्ति को खतरा होने के हालातों में ही पीएसओ रखा जा सकता है। परमिशन मिलने पर भी प्राइवेट पीएसओ पंजाब पुलिस कमांडो वर्दी नहीं पहन सकता। जिस व्यक्ति को पीएसओ मिला है, अगर वे साथ है तो ही पीएसओ उसका वेपन कैरी कर सकता है। लेकिन भारतीय कानून मुताबिक उसे छिपाकर रखना जरुरी है। अगर व्यक्ति मौके पर नहीं है तो वेपन कैरी करने का भी पीएसओ पर पर्चा दर्ज हो सकता है। डीजीपी के सख्त आदेश हैं कि बिना सरकारी आईडी प्रूफ के वर्दी नहीं दी जा सकती, फिर वर्दियां कैसे बेची जा रही है।

पेज 06 भगवान श्री जगन्नाथ जी की दिव्य महिमा से आज...

एक्टिवा और बाइक में हुई जोरदार टक्कर, लगी भयानक आग

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। घुमार मंडी स्थित नेशनल रोड पर सोमवार को एक एक्टिवा और बाइक में टक्कर हो गई। टक्कर होने के बाद एक्टिवा को अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैली और पूरी एक्टिवा को चपेट में ले लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पीड़ित अखिलेश ने बताया कि वह पार्किंग से अपनी एक्टिवा निकालकर पास की गली में जा रहा था। उसे अपने मालिक के घर सामान पहुंचाना था। जैसे ही वह मुख्य सड़क पर पहुंचा, पीछे से आए एक बाइक सवार ने उसकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर दूर जाकर गिर गया, जबकि एक्टिवा जमीन पर गिरते ही आग लग गई। अखिलेश ने बताया कि हादसे से करीब आधा घंटा पहले ही उसने स्कूटी की पेट्रोल टंकी फुल करवाई थी। आग लगने के बाद उसने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया।

धूरी लाइन में फास्ट फूड की दुकान पर संदिग्ध एसिड अटैक, दुकानदार समेत तीन झुलसे, आरोपी काबू

सुनील पांडे

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। धूरी लाइन इलाके में रविवार देर रात एक फास्ट फूड की दुकान पर हुए संदिग्ध एसिड अटैक से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना में दुकानदार सहित दो से तीन लोग झुलस गए, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, धूरी लाइन स्थित देव फास्ट फूड के मालिक देव अपनी दुकान पर काम कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक बाइक पर दुकान के बाहर आकर रुका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक कुछ देर तक मोबाइल पर बात करता रहा। उसकी बाइक की नंबर प्लेट पर नीले रंग का लिफाफा चढ़ा हुआ था, जिससे पहचान छिपाने की कोशिश की गई थी। दुकानदार देव ने बताया कि कुछ देर बाद आरोपी दुकान के पास आया और कहा, ह्नतेरे लिए कुछ लाया हूं।ह्व इसके बाद उसने एक प्लास्टिक का लिफाफा उनकी ओर फेंक दिया। जैसे ही उन्होंने लिफाफा पकड़ा, वह अचानक फट गया और उसमें मौजूद ज्वलनशील रासायनिक पदार्थ उनकी पीठ तथा दुकान पर मौजूद दो ग्राहकों के ऊपर गिर गया।

तीन साल पहले हत्या किए युवक को इंसाफ न मिलने पर निहंगों ने किया चक्का जाम, डीसी ऑफिस बाहर 4 घंटे प्रदर्शन

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। लुधियाना में सोमवार सुबह इंसाफ न मिलने से नाराज निहंगों ने डीसी कार्यालय के बाहर फिरोजपुर रोड को दोनों ओर से जाम कर दिया है। प्रदर्शनकारी सुबह करीब 10 बजे से सड़क के बीचों-बीच धरना देकर बैठे हैं। करीब 4 घंटे यह प्रदर्शन चला। जिससे सड़क के दोनों हिस्सों पर यातायात पूरी तरह ठप रहा, जिससे आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरने पर बैठे निहंगों का आरोप है कि करीब तीन साल पहले निहंग फतेहवीर सिंह की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उनका कहना है कि इस हत्या के मामले में पुलिस ने पिछले तीन वर्षों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मामले के आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। निहंगों का कहना है कि वे लंबे समय से न्याय की मांग को लेकर पुलिस और प्रशासन के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी सुनवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि प्रशासन के इसी रवैये से परेशान होकर उन्हें सड़क जाम कर प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जिसके बाद मौके पर अधिकारी पहुंचे। जिन्होंने मामले की उच्च सत्रीय जांच करने और मामले की जांच संबंधी सीबीआई को लिखने का आश्वासन दिया। जिसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ।

डॉ.सुमिता सोफत ने लंदन के हाऊस ऑफ कामंस मे हासिल किया अवार्ड, शहर का बढ़ाया मान

पहले भी कई विदेशी मंचों पर अवार्ड हासिल कर चुकी हैं डॉ.सुमिता

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। इनफर्टिलिटी के क्षेत्र में कई भूकंप हासिल करने के उपरांत लुधियाना की प्रमुख इनफर्टिलिटी विशेषज्ञ डॉ.सुमिता सोफ्त अस्पताल की डॉ.सुमिता सोफ्त ने लंदन के सदन हाउस ऑफ कामंस में अवार्ड हासिल कर शहर का गौरव बढ़ाया। डॉ.सुमिता सोफ्त के साथ उनके बेटे डॉ.सिद्धार्थ सोफ्त ने यह अवार्ड रिसीव किया। उन्हें यह अवार्ड पिछले 28 साल के दौरान बांझपन के इलाज में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। इस दौरान उन्हें सम्मान के तौर पर हाउस ऑफ कामंस में विशेष रूप से रात्रिभोज के लिए आमंत्रित भी किया गया। डॉ.सुमिता सोफ्त ने यह अवार्ड मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि कोई भी सम्मान आपको प्रोत्साहित करता है, और आपके काम को रेकगनाइज करता है, और आप नई ऊर्जा व और जज्बे के साथ अपने काम में जुट जाते हैं। यह सम्मान भी मेरे लिए नई ऊर्जा का काम करेगा।

डॉ.सुमिता सोफ्त इससे पहले भी रोम, दुबई, लंदन समेत देश-विदेश में कई मचों से मिले अनेकों अवार्ड हासिल कर शहर का मान बढ़ा चुकी हैं। उन्हें रोम इटली में वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ रिप्रोडिक्टव मेडिसन से यंग साइंटिस्ट अवार्ड, इंडियन फिर्टिलटी सोसायटी से स्टालवार्ट अवार्ड, आईएफएस एचिवर्स अवार्ड, ऑक्सफोर्ड इंग्लैंड से ऑनरेरी प्रोफेसर

अपने बेटे सिद्धार्थ सोफत के साथ

ऑफ अकेडमिक यूनियन की उपाधि से नवाजा चुका है। उन्हें दुबई में नार्थ इंडिया बैस्ट आईवीएफ सेंटर अवार्ड भी मिल चुका है। इसके अलावा यूरोपियन मेडिकल एसोसिएशन भी उन्हें अवार्ड दे चुकी है। उन्हें हरियाणा के मुख्यमंत्री, हिमाचल की गवर्नर व पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम व पूर्व सेहत मंत्री से भी अवार्ड मिल चुका है। डॉ.सुमिता सोफ्त यूएस, यूरोप व साउथ ईस्ट एशिया में आयोजित कांफ्रेंसों में रिसर्च पेपर प्रस्तुत कर चुकी हैं। वह लंदन, टेक्सास, बारिसलोना स्पेन, होनोलुलु यूएएस में आयोजित कांफ्रेंसों

लंदन के हाउस ऑफ बड़ा अवार्ड प्राप्त करती हुई डॉक्टर सुमित सोफत

में लेक्चर भी दे चुकी हैं। हाल ही में आईवीएफ पर प्रकाशित एक बुक में बाकायदा उनका चैप्टर प्रकाशित हुआ है। इसके अलावा भी मेडिकल से संबंधित कई नेशनल इंटरनेशनल जरनल में उनके लेख प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ सुमित सोफत हजारों बे औलाद जोड़ों को संतान का सुख प्राप्त करने में सहायक सिद्ध हो चुकी हैं उन्होंने बताया कि बांझपन के क्षेत्र में उनके पास अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध है। भूलेख नहीं है कि डॉक्टर सुमित सोफत के पास उपचार के लिए पंजाब के अलावा हरियाणा, हिमाचल, जम्मू एव कश्मीर सहित उत्तर भारत से सैकड़ो लोग उपचार और परामर्श के लिए आए दिन आते हैं।

रवनीत बिट्टू के खिलाफ एफआईआर की मांग, सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुलिस कमिश्नर को शिकायत

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सोशल एक्टिविस्ट एवं पूर्व पार्षद परमिंदर मेहता ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा को लिखित शिकायत देकर बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विवादित फिल्म सतलुज से जुड़े मुद्दे पर बिट्टू द्वारा फेसबुक, एक्स और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर साझा किए गए बयान एवं तस्वीरें सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित करने वाली हैं। इस दौरान वरिष्ठ नेता सरबजीत सिंह बंटी भी मौजूद रहे। मेहता ने शिकायत में कहा कि पंजाब के आतंकवाद प्रभावित दौर की तस्वीरों और कथित भड़काऊ भाषा के इस्तेमाल से हिंदू-सिख भाईचारे में तनाव पैदा हो सकता है। उन्होंने पुलिस से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो और तस्वीरों की साइबर जांच कराने तथा भारतीय न्याय संहिता (इठर), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। शिकायत में फिल्म सतलुज के निमार्ता, निर्देशक और अन्य संबंधित पक्षों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई गई है। मेहता ने कहा कि पंजाब की सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी व्यक्ति को ऐसी सामग्री प्रसारित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो। पुलिस की ओर से शिकायत मिलने की पुष्टि हुई है, हालांकि इस मामले में अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

पंचकूला में अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर, बरवाला और प्लासरा में बड़ी कार्रवाई

सीएलयू/लाइसेंस के बिना निर्माण करने वालों को डीटीपी की चेतावनी, जारी रहेगा अभियान

पंचकूला/यूटर्न/13 जुलाई। पंचकूला प्रशासन ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए रविवार को बरवाला और प्लासरा गांव में दो अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया। उपायुक्त सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन तथा जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) बबीता गुप्ता के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीनों से कच्चे सड़क नेटवर्क, एक डीपीसी (डैम्प प्रूफ कोर्स) और तीन प्लॉटों की निशानदेही को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट अशोक कुमार, सहायक नगर योजनाकार डिम्पी राठी सहित नगर योजनाकार विभाग की टीम और भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा, जिससे अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। डीटीपी बबीता गुप्ता ने स्पष्ट किया कि हरियाणा नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग से सीएलयू (चेंज ऑफ लैंड यूज) और लाइसेंस की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की कॉलोनी विकसित करना या निर्माण कार्य करना कानून का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में विभाग भविष्य में भी बिना किसी रियायत के सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि प्लॉट खरीदने या निर्माण शुरू करने से पहले संबंधित विभाग से सभी आवश्यक स्वीकृतियों की जांच अवश्य करें, ताकि आर्थिक नुकसान और कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

700 ग्राम चरस के साथ पकड़ा गया युवक दोषी करार, चार साल की सजा

मोहाली की विशेष अदालत का फैसला, 2019 में घडुंआ बस स्टैंड से एसटीएफ ने किया था गिरफ्तार

मोहाली/यूटर्न/13 जुलाई। वर्ष 2019 में घडुंआ बस स्टैंड से 700 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किए गए हिमाचल प्रदेश निवासी सुनील ठाकुर को मोहाली की विशेष एनडीपीएस अदालत ने दोषी करार देते हुए चार वर्ष के कठोर कारावास और दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर उसे एक माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि आरोपी द्वारा पहले से जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किया जाएगा।

अभियोजन के अनुसार 21 फरवरी 2019 को एसटीएफ फेज-4 मोहाली को गुप्त सूचना मिली थी कि हिमाचल प्रदेश निवासी सुनील ठाकुर लुधियाना से बस के जरिए घरुआं आ रहा है और उसके पास भारी मात्रा में चरस है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घरुआं बस स्टैंड पर नाकाबंदी की। शाम करीब साढ़े 4

दो हजार रुपये जुर्माना भी लगाया

बजे आरोपी बस से उतरते ही पुलिस को देखकर घबरा गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद डीएसपी की मौजूदगी में उसके बैग की तलाशी ली गई, जिसमें से 700 ग्राम चरस बरामद हुई। मौके पर ही नमूने लेकर सील किए गए और बाद में फोरेंसिक जांच में बरामद पदार्थ चरस पाया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने चरस हिमाचल प्रदेश के कुल्लू निवासी निशांत खन्ना से खरीदने की बात कही थी। इसके आधार पर पुलिस ने निशांत खन्ना को भी मामले में नामजद कर 200 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया था। हालांकि मुकदमे की सुनवाई के दौरान निशांत खन्ना की मृत्यु हो जाने के कारण उसके खिलाफ कार्रवाई समाप्त कर दी गई। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने बरामदगी, स्वतंत्र गवाह न होने, एफएसएल को नमूना भेजने में देरी और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 57 के अनुपालन पर सवाल उठाए। लेकिन अदालत ने कहा कि केवल स्वतंत्र गवाह न होने से पुलिस की कार्रवाई अविश्वसनीय नहीं हो जाती।

अदालत ने माना कि बरामदगी से लेकर नमूना सील करने, न्यायालय में इन्वेंट्री तैयार कराने और एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त होने तक पूरी साक्ष्य श्रृंखला सुरक्षित और प्रमाणित रही। एफएसएल रिपोर्ट में भी सील सही पाई गई और बरामद पदार्थ चरस होने की पुष्टि हुई। विशेष न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के कब्जे से 700 ग्राम चरस की बरामदगी संदेह से परे साबित करने में सफल रहा है। अदालत ने इसे गैर-व्यावसायिक (नॉन-कमर्शियल) मात्रा मानते हुए आरोपी को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 के तहत दोषी ठहराया।

समझौते की आस में नौ दिन चुप रहा परिवार, इलाज का खर्च नहीं देने पर कार चालक पर केस दर्ज

मोहाली/यूटर्न/13 जुलाई। फेज-1 निवासी 70 वर्षीय महिला को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल करने के मामले में फेज-1 थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि चालक ने पहले इलाज का पूरा खर्च उठाने का भरोसा दिया, लेकिन बाद में अपने वादे से मुकर गया। इसके बाद परिवार ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस को दी शिकायत में फेज-1 निवासी 71 वर्षीय पवन कुमार चौधरी ने बताया कि 23 जून की सुबह करीब सवा 8 बजे उनकी पत्नी कौशल्या देवी अपनी पड़ोसन साक्षी के साथ एक्टिवा पर योगा क्लास से घर लौट रही थीं। साक्षी एक्टिवा चला रही थी, जबकि कौशल्या देवी पीछे बैठी थी।

शिकायत के अनुसार, जब वे गांव मोहाली स्थित खोखा मार्केट के पास पहुंचीं तो गांव मोहाली की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही डार्क ग्रे रंग की बलेनो कार ने गलत दिशा में आकर एक्टिवा को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों महिलाएं घायल हो गईं। कौशल्या देवी के बाएं पैर में तीन जगह फ्रैक्चर हुआ और शरीर पर भी गंभीर चोटें आईं।

शिकायतकर्ता ने बताया कि हादसे के बाद कार चालक ने दोनों घायलों को सिविल अस्पताल फेज-6 पहुंचाया। बाद में कौशल्या देवी को मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। चालक ने अपना नाम सुरिंदर सिंह निवासी सनी एन्क्लेव, खरड़ बताया और इलाज का पूरा खर्च उठाने का आश्वासन दिया।

पवन कुमार के अनुसार, 26 जून को चालक ने दोबारा संपर्क कर खर्च देने की बात कही, लेकिन जब उसे बताया गया कि इलाज पर करीब 10 लाख रुपये खर्च आने का अनुमान है तो उसने परिवार से सलाह कर बताने की बात कही। इसके बाद वह दोबारा संपर्क में नहीं आया।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि इसी कारण पहले शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच समझौते की बातचीत चल रही थी। समझौता नहीं होने पर उन्होंने 2 जुलाई को थाना फेज-1 पहुंचकर लिखित बयान दिया।

जांच के बाद फेज-1 थाना पुलिस ने बलेनो कार चालक सुरिंदर सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125(बी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेज 12 खाड़ी युद्ध फिर शुरूः यूएस की बमबारी तेज होने...

बिट्टू के उग्रवाद के दौर वाली पोस्ट से राजनीतिक बेचैनी; भाजपा के वरिष्ठ नेता ने संयम बरतने को कहा

चंडीगढ़/यूटर्न/13 जुलाई। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक्स पर पंजाब में उग्रवाद के दौर के कुछ पुराने वीडियो शेयर किए हैं। इन वीडियो से भाजपा और विपक्षी दलों में बेचैनी फैल गई है। कई नेताओं ने चेतावनी दी है कि ऐसे समय में जब राज्य अपने सबसे बुरे दौर से उबर रहा है, पुराने घावों को फिर से कुरेदना ठीक नहीं है। यह विवाद बिट्टू के सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किए गए वीडियो क्लिप को लेकर है। इन क्लिप्स में उग्रवाद के दौर की घटनाओं और पीड़ितों को दिखाया गया है, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर हुए हमलों से जुड़े फुटेज भी शामिल हैं। राजनीतिक नेताओं ने इन पोस्ट की आलोचना करते हुए कहा है कि दर्दनाक घटनाओं को चुनिंदा तरीके से फिर से दिखाने से पंजाब के नाजुक सामाजिक सद्भाव के बिगड़ने का खतरा है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से इन पोस्ट से किनारा कर लिया है। उन्होंने संयम बरतने और राजनीतिक नेताओं से अपील की है कि वे राजनीतिक बहस के लिए दर्दनाक यादों को फिर से न उभारें।

अतीत से सीखने पर ध्यान देने की जरुरत

इस मुद्दे पर बात करते हुए पंजाब के पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया ने कहा कि पंजाब ने सालों तक आतंकवाद का सामना किया, लेकिन 1984 के दंगों के अशांत दौर में भी वहां सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि राज्य को चुनिंदा तस्वीरें और वीडियो फैलाने के बजाय अपने अतीत से सीखने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि ये वीडियो पूरी ऐतिहासिक सच्चाई नहीं दिखाते।

विपक्षियों ने भी जताई चिंता

विपक्षी नेताओं ने भी इन पोस्ट पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि उग्रवाद की यादें हिंसा से प्रभावित परिवारों में आज भी गहरी भावनात्मक प्रतिक्रिया पैदा करती हैं। यह घटनाक्रम ऐसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय में हुआ है जब पार्टियां 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटी हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि पंजाब के अशांत अतीत से जुड़े मुद्दों का आज भी लोगों की भावनाओं पर गहरा असर पड़ता है और राज्य की राजनीतिक बहस में ये मुद्दे जल्द ही विवाद का विषय बन सकते हैं।

नाज़ुक संतुलन को उजागर किया

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने पंजाब की सुरक्षा और अलगाववाद से जुड़े मुद्दों पर अक्सर कड़ा रुख अपनाया है। हालांकि, ताजा विवाद से पता चलता है कि उग्रवाद के दौर की तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल करने को लेकर उनकी अपनी पार्टी में भी असहजता है। इस घटना ने एक बार फिर उस नाजुक संतुलन को उजागर किया है जो पंजाब के राजनीतिक नेताओं को राज्य के हिंसक अतीत पर चर्चा करते समय बनाए रखना होता है, यानी ऐतिहासिक यादों को संजोना और साथ ही ऐसी बयानबाजी से बचना जिससे पुरानी दरारें फिर से उभर सकती हैं।

बरवाला को मिलेगी नई पहचान, 6 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

चंडीगढ़/यूटर्न/13 जुलाई। बरवाला शहर को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में सोमवार को बड़ा कदम उठाया गया। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने हिसार, अग्रोहा और टोहाना रोड पर बनने वाले भव्य स्वागत द्वारों सहित छह करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से बरवाला की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी और शहर में प्रवेश करने वाले लोगों को आधुनिक प्रवेश द्वार का अनुभव मिलेगा। मंत्री ने बताया कि टोहाना रोड पर करीब 84 लाख, अग्रोहा रोड पर 98.31 लाख और हिसार रोड पर 77.05 लाख रुपये की लागत से स्वागत द्वार बनाए जाएंगे। इसके अलावा बरवाला-टोहाना रोड स्थित स्वर्ग आश्रम में लगभग 3.40 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य भी कराए जाएंगे। रणबीर गंगवा ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में पार्क, लेबर शेड, सड़कों, गलियों, स्वच्छता और पुस्तकालयों के निर्माण जैसे कई विकास कार्य भी किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाएं तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। इस दौरान मंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने 17 जुलाई को जींद में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील करते हुए इसे हरियाणा के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।/यूटर्न/18 मई।

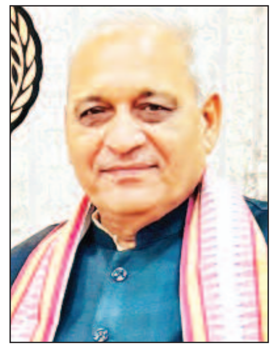

भाजपा टिकट के लिए मेरी दावेदारी सबसे मजबूतः संजीव खन्ना

डेराबस्सी/यूटर्न/13 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र से टिकट के दावेदार संजीव खन्ना ने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा चार दिसंबर 2020 को भाजपा से शुरू हुई थी और वह जीवनभर पार्टी की सेवा करते रहेंगे। पिछले छह वर्षों से वह संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने और पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाने में जुटे हुए हैं। संजीव खन्ना ने कहा कि डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का संगठन मजबूत करने के लिए उन्होंने लगातार मेहनत की है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को डेराबस्सी सीट से 26,963 वोट मिले थे। इसके बाद से पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा टिकट के लिए कई नेता अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं, लेकिन लंबे समय से कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच सक्रिय रहने के कारण उनकी दावेदारी मजबूत है।

PAU में 26 से 28 जुलाई तक सजेगा LRGMA का 8वां मेगा गारमेंट एक्सपो, 15 हजार खरीदारों पर उद्योग की नजर

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। लुधियाना का रेडीमेड गारमेंट उद्योग 26 से 28 जुलाई तक होने वाले LRGMA के 8वें बी2बी गारमेंट एक्सपो के जरिए कारोबार को नई रफ्तार देने की तैयारी में है। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (PAU) में आयोजित होने वाली इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में देशभर से 15 हजार से अधिक खरीदारों के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को लुधियाना रेडीमेड गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (LRGMA) की बैठक में अंतिम रणनीति पर चर्चा की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप बहल ने बताया कि पिछले वर्ष करीब 12 हजार खरीदार प्रदर्शनी में पहुंचे थे, जबकि इस बार संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक्सपो में विंटर और सेमी-विंटर कलेक्शन की नवीनतम रेंज प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें क्रॉप स्टाइल्स और नए फैशन ट्रेंड्स प्रमुख आकर्षण होंगे। उन्होंने कहा कि LRGMA का उद्देश्य देशभर के खरीदारों और निर्माताओं को एक मंच पर लाकर व्यापारिक अवसरों को बढ़ाना है। तीनों दिन प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी। एसोसिएशन का मानना है कि एक ही छत के नीचे बड़ी संख्या में ब्रांड और निर्माता मौजूद होने से खरीदारों को व्यापक विकल्प मिलेंगे और उद्योग को नए ऑर्डर प्राप्त होंगे। कारोबारियों को उम्मीद है कि यह एक्सपो लुधियाना के गारमेंट उद्योग के लिए नए व्यापारिक रिकॉर्ड बनाने के साथ राष्ट्रीय बाजार में उसकी पकड़ को और मजबूत करेगा।

चंडीगढ़ में निजी स्कूलों की फीस वृद्धि 5% तक सीमित करने की मांग, शादाब राठी ने प्रशासक से की अपील

चंडीगढ़/यूटर्न/13 जुलाई। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष (अल्पसंख्यक विंग) एवं समाजसेवी शादाब राठी ने चंडीगढ़ में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही फीस वृद्धि पर चिंता जताते हुए प्रशासन से पंजाब की तर्ज पर फीस बढ़ोतरी पर सीमा तय करने की मांग की है। उन्होंने माननीय प्रशासक से अपील की कि शहर के निजी स्कूलों को सालाना अधिकतम 5 प्रतिशत तक ही फीस बढ़ाने की अनुमति दी जाए। राठी ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के तहत निजी स्कूलों की वार्षिक फीस वृद्धि को 5 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, जिससे लाखों अभिभावकों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के विद्यार्थियों और अभिभावकों को भी ऐसी ही राहत मिलनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के कई निजी स्कूल हर वर्ष 8 प्रतिशत या उससे अधिक फीस बढ़ा देते हैं, जिससे मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इसके अलावा, कुछ स्कूल एक ही संस्थान में पढ़ रहे बच्चों से भी दोबारा एडमिशन फीस या अन्य शुल्क वसूल रहे हैं, जो अभिभावकों के साथ अन्याय है। शादाब राठी ने मांग की कि चंडीगढ़ में निजी स्कूलों की फीस वृद्धि को अधिकतम 5 प्रतिशत तक सीमित किया जाए, एक ही स्कूल में पढ़ रहे विद्यार्थियों से री-एडमिशन या दोबारा प्रवेश शुल्क लेने पर रोक लगे तथा स्कूलों की फीस और अन्य शुल्कों की निगरानी के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। राठी ने कहा कि शिक्षा सेवा का माध्यम है, व्यापार का नहीं।

भगवान श्री जगन्नाथ जी की दिव्य महिमा से आज गूंजेगा वातावरण, सैकड़ों श्रद्धालु करेंगे भव्य महाआरती : राम सरूप मोदी/सुनील मोदी

भगवान जगन्नाथ हैं पतित पावन : वरिन्द्र शर्मा बॉबी

02 दिन शेष

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। रथयात्रा के उपलक्ष्य में आज 14 जुलाई को सायं 6 बजे से महाराजा ग्रैंड में भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य महाआरती का आयोजन। इस्कॉन एवं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी द्वारा 16 जुलाई को निकाली जा रही 30वीं विशाल एवं ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर शहर में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण लगातार बढ़ता जा रहा है। रथयात्रा के उपलक्ष्य में आज 14 जुलाई को सायं 6 बजे से महाराजा ग्रैंड में भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु एक साथ प्रभु की आराधना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। महाआरती के दौरान जब संपूर्ण वातावरण शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चारण, भजन-कीर्तन एवं जय जगन्नाथ के गगनभेदी जयघोष से गुंजायमान हो उठता है, तब प्रत्येक श्रद्धालु का मन असीम शांति, भक्ति और आध्यात्मिक आनंद से भर जाता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों पर कृपा एवं आशीर्वाद की वर्षा कर रहे हों। उपरोक्त शब्दों का प्रकटावा जयपुर डायमंड के राम सरूप मोदी एवं सुनील मोदी ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए किया। उन्होंने बताया कि 16 जुलाई को शाम 4 बजे श्री दुर्गा माता मंदिर, जगराओं पुल से आरंभ होने वाली यह ऐतिहासिक रथयात्रा शहर की धार्मिक परंपरा में एक नया अध्याय जोड़ेगी और अपनी अमिट छाप छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों से यह रथयात्रा हजारों श्रद्धालुओं को भगवान जगन्नाथ एवं श्री कृष्ण भक्ति से जोडने का माध्यम बन रही है। इस यात्रा के माध्यम से समाज में प्रेम, सेवा, सद्भाव, भाईचारे और सनातन संस्कृति के आदर्शों का संदेश निरंतर प्रसारित हो रहा है। भगवान स्वयं रथ पर आरूढ़ होकर भक्तों के बीच आते हैं, जिससे प्रत्येक श्रद्धालु को उनके सुलभ दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होता है। परम जगन्नाथ सेवक एडवोकेट वरिन्द्र शर्मा बॉबी ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ को पतित पावन कहा जाता है। उनके विशाल एवं करुणामयी नेत्र समस्त सृष्टि पर समान रूप से कृपा बरसाते हैं। भगवान अपने विशाल नेत्रों से प्रत्येक जीव का कल्याण करते हैं तथा श्रद्धापूर्वक उनकी शरण में आने वाले भक्तों के दुखों का निवारण कर उन्हें सुख, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हैं।

बाबा श्याम सबकी मनोकामना पूर्ण करने वाले- निधि अभिषेक गुप्ता

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। चंडीगढ़ रोड कोहाडा चौंक के समीप नवनिर्मित श्री खाटू श्याम सालासर मंदिर में साप्ताहिक हरिनाम संकीर्तन ट्रस्टी प्रदीप मित्तल,संदीप अग्रवाल, एल.आर.मित्तल, अनिल मित्तल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। संकीर्तन में श्याम बाबा का गुणगान जतिन छाबड़ा,उदय राजा अंबाला वालों द्वारा किया गया।संकीर्तन से पूर्व आचार्य दीपक पाण्डेय,पंडित तारानाथ, पंडित करण शास्त्री द्वारा मंत्रोचारण से बाबा श्याम का पूजन किया गया।संकीर्तन में ट्रस्टी विनय सिंगला गीता सिंगला,विक्रम सिंगला,जगमिंदर सिंह परिवार की ओर से बाबा का देशी व विदेशी फूलों से अलौकिक श्रंगार किया गया।जो कि आकर्षण का केंद्र रहा।इस मौके निधि अभिषेक गुप्ता ने कहा कि बर्बरीक ने अपने माता-पिता की सेवा करके श्रीकृष्ण के आदेशानुसार तपस्या करके तीन बाण प्राप्त किए और वे तीन बाणधारी कहलाए। इन तीन बाणों से वे हारने वाले को भी जिताने की क्षमता रखते हैं। यह सब उनकी मातृ-पितृ भक्ति भगवान कृष्ण की कृपा के कारण हुआ।बाबा श्याम सबकी मनोकामना पूर्ण करने वाले हैं। संकीर्तन की समाप्ति पर आयोजकों द्वारा आई हुई संगत को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। संकीर्तन में विशेष रूप से ट्रस्टी बलराज शर्मा को लुधियाना गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष बनने पर सम्मानित भी किया गया।इस मौके पर नरेश अग्रवाल अतुल वालिया, विनोद गोयल, बलराज शर्मा, मनीष बाजारी, हरीश गर्ग, संदीप गोयल, दीपक मित्तल, दीपक शर्मा, प्रमोद गर्ग, तरसेम लाल आदि उपस्थित हुए।

धार्मिक यात्राओं से समाज में बढ़ता है आपसी भाईचारा - राकेश कपूर

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। जगन्नाथ पुरम चन्दर नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से जगन्नाथ जी की पारंपरिक रथयात्रा 16 जुलाई को बड़ी धूमधाम से निकाली जा रही है। रथयात्रा की तैयारियों को लेकर शहर के सभी धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निमंत्रण पत्र देने के साथ सूचना केंद्र खोले जा रहे हैं।ताकि भक्तो को रथयात्रा संबंधी जानकारी प्राप्त हो सके। इस कड़ी के उपलक्ष्य में पंजाब भाजपा के मीडिया पेनालिस्ट राकेश कपूर को निमंत्रण दिया गया।निमंत्रण लेते हुए राकेश कपूर ने कहा कि ये उनका सौभाग्य है कि उनको रथ यात्रा में जाने का मौका प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राओं से समाज में आपसी भाईचारा बढ़ता है।विक्रम भुइयां ने जानकारी देते हुए कहा कि रथयात्रा से पहले भगवान का नेत्रोत्सव 14जुलाई को सुबह 8बजे मंदिर परिसर में बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा।

हंबड़ा रोड की बदहाल सड़क को लेकर फूटा लोगों का गुस्सा, प्रशासन के खिलाफ किया प्रदर्शन

मनोज माटा

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। लुधियाना, 12 जुलाई। हंबड़ा रोड की जर्जर हालत और लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या को लेकर झंडू एंक्लेव तथा ऐपल विला के निवासियों का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन के खिलाफ रोष प्रदर्शन करते हुए सड़क की तत्काल मरम्मत, जल निकासी की उचित व्यवस्था और डेयरियों से निकलने वाले गंदे पानी पर रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कई महीनों से शिकायतें किए जाने के बावजूद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

प्रदर्शन का नेतृत्व एडवोकेट रजनीश गुप्ता, कमल चेटली, आयुषी गुप्ता तथा ऐपल विला के अध्यक्ष सुरेश मोहन ने किया। उन्होंने कहा कि डेयरियों से निकलने वाला गोबरयुक्त पानी और अन्य गंदा पानी लगातार सड़क पर बह रहा है, जिससे पूरी सड़क दलदल में तब्दील हो गई है। इसके कारण दोपहिया वाहन चालकों, ऑटो-रिक्शा चालकों और पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं तथा फिसलन के कारण कई लोग सड़क पर गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्षेत्र में दो सरपंच और एक विधायक होने के बावजूद विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार विज्ञापनों में विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन हंबड़ा रोड की वास्तविक स्थिति उन दावों की पोल खोल रही है। पिछले चार महीनों से सड़क की हालत लगातार खराब बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। क्षेत्रवासियों ने हंबड़ा रोड स्थित ईटीपी (इन्फ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) का भी मुद्दा उठाया।

पंजाब स्तरीय एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ भव्य आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। श्री जैन श्वेताबंर तेरापंथी सभा लुधियाना के अंतर्गत पंजाब स्तरीय एक दिवसीय सभा संचालन प्रशिक्षण कार्यशाला का भव्य आयोजन संस्था शिरोमणि जैन श्वेताबंर तेरापंथी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र नाहटा की अध्यक्षता में मणिलक्ष्मी धाम भगवान महावीर वनस्थली दोराहा में संपन्न हुई। जिसमें पूरे पंजाब से करीब 20 से अधिक परिषदों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। स्थानीय तेरापंथी सभा के अध्यक्ष धीरज जैन सेठिया, उपाध्यक्ष प्रदीप जैन सुराणा ,राजेश जैन सेठिया व मंत्री तरुण जैन सुराणा सभी गणमान्यों का स्वागत किया। श्रावक निष्ठा वाचन का राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र नाहटा ने किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि जैन तेरापंथ धर्म संघ की सेवा करना उनका सबसे बड़ा कर्म है। उन्होंने सभी से जैन धर्म संघ के प्रति समर्पित रहते हुए सेवा संस्कार,संगठन समर्पण सहित कई बिंदुओं पर कार्य करने का आहवान किया।

वार्ड-15 में जल निकासी ठप, घरों के आगे जमा गंदा पानी

डेराबस्सी/यूटर्न/13 जुलाई। वार्ड नंबर-15 में जल निकासी व्यवस्था बदहाल होने से स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यह पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष नरेश उपनेजा का गृह वार्ड है, इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। वार्डवासियों ने बताया कि वे कई बार नगर परिषद कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं। शिकायत के बाद सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंचते जरूर हैं, लेकिन ठीक ढंग से सफाई नहीं होने के कारण हर दूसरे दिन निकासी पाइप दोबारा जाम हो जाती है। इसके चलते घरों के सामने दिनभर गंदा पानी जमा रहता है। बदबू और दूषित पानी के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासियों ने आशंका जताई कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्र में मच्छर और जलजनित बीमारियां फैल सकती हैं।

सीआईए स्टाफ 2 ने दो वाहन चोर दबोचे, छह चोरी के मोटरसाइकिल बरामद

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/13 जुलाई। जिले में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए स्टाफ 2 बठिंडा ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छह चोरी के मोटरसाइकिल बरामद किए हैं। पुलिस आरोपितों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार 10 जुलाई 2026 को थाना

सिविल लाइन में दर्ज एफआईआर नंबर 182 के तहत कार्रवाई करते हुए दो आरोपित सतनाम सिंह उर्फ गग्गी निवासी गांव कल्याण सुक्खा थाना नथाना जिला बठिंडा तथा नानक सिंह निवासी गांव समाघ, जिला श्री मुक्तसर साहिब को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की शुरूआती जांच के दौरान 10 जुलाई को एक चोरी का मोटरसाइकिल बरामद किया गया था।

हरिके पत्तन में आज होगा बड़ा अरदास समागम, इंसाफ की मांग को लेकर जुटेंगे लोग

अमृतसर/यूटर्न/13 जुलाई। हरिके पत्तन में मंगलवार को आयोजित होने वाला अरदास समागम केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मानवाधिकारों की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। बीबी परमजीत कौर खालड़ा ने पंजाब, सिख समुदाय और दुनिया भर के उन लोगों से अपील की है, जो इंसाफ और मानवाधिकारों में विश्वास रखते हैं, कि वे इस मौके पर एकजुट होकर पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हों। उन्होंने कहा कि जून 1984 में श्री दरबार साहिब पर हुई सैन्य कार्रवाई, नवंबर 1984 के सिख विरोधी दंगों और उसके बाद के वर्षों में पंजाब में कथित तौर पर हुई गुमशुदगियों, लावारिस शवों, यातनाओं व फर्जी पुलिस मुठभेड़ों जैसे मामलों में आज भी अनेक सवाल अनुत्तरित हैं। उनके अनुसार, इन घटनाओं से जुड़े पीड़ित परिवार लंबे समय से न्याय और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

सरकारें पीड़ितों को न्याय दिलाने में विफल रहीं... संदेश में यह भी आरोप लगाया गया है कि अलग-अलग समय में सत्ता में रही सरकारें पीड़ितों को न्याय दिलाने में विफल रहीं। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि कुछ मामलों में आरोपित अधिकारियों को संरक्षण और महत्वपूर्ण पद दिए गए, जबकि प्रभावित परिवारों को कानूनी और सामाजिक संघर्ष का सामना करना पड़ा।

पिंजौर क्षेत्र से देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत भेजा

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/13 जुलाई। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन के निर्देशों के अनुसार पंचकूला में अवैध हथियारों की तस्करी, खरीद-फरोख्त एवं इनके अवैध इस्तेमाल पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत डिटेक्टिव स्टाफ पंचकूला की टीम ने इंचार्ज तजिंदर पाल सिंह की अगुवाई में त्वरित कार्रवाई करते हुए पिंजौर क्षेत्र में एचएमटी के नजदीक से एक व्यक्ति को अवैध देसी पिस्टल एवं जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में लिया है।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह के अनुसार आरोपी की पहचान साहिल शर्मा निवासी गांव नागल, थाना चंडीमंदिर, जिला पंचकूला, उम्र 36 वर्ष, के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्टल (.32 बोर) तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया, जिन्हें पुलिस ने कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजते हुए अंबाला जेल भेज दिया गया। साथ ही स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध हथियार रखने, उनकी तस्करी करने अथवा कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

Happy Anniversery

Dimple chopra
Neetika Chopra

पुष्पवर्षा और भावुक माहौल में पंचकुला डीसीपी सृष्टि गुप्ता को दी गई विदाई

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/13 जुलाई। पंचकूला पुलिस में सकारात्मक पुलिसिंग, जनसहभागिता आधारित कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की प्रभावी कार्यशैली के लिए पहचानी जाने वाली डीसीपी सृष्टि गुप्ता को सोमवार को सेक्टर-1 स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय में भावपूर्ण एवं गरिमामयी विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पवर्षा, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदा किया। समारोह के दौरान कई अधिकारी और कर्मचारी भावुक नजर आए और गीतों व कविताओं के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए।

नि:शुल्क योग शिविर – 'मधुमेह' का आयोजन किया

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। आज एक विशेष योग शिविर उपरोक्त विषय व अन्य रोगों पर आयोजित किया गया। शुगर व अन्य रोग योग आसनों, प्राणायाम द्वारा कैसे ठीक होते हैं, क्यों आते हैं, के बारे में बताया गया और योग अभ्यास करवाया गया। इस योग शिविर के अध्यक्ष कृष्ण लाल गुप्ता (योग परिवार समिति), महामंत्री प्रमोद शर्मा, नवीन मौर्य, होशियार सिंह, नंदी जी, ने योग करवाया। आये हुए सभी साधक-साधिकाओं ने खूब आनंद उठाया। नीलम ने हास्य आसन बड़ी सुंदरता से करवाया। यह कार्यक्रम पाम गार्डन, साहनेवाल, जी. टी. रोड़, कालोनी में हुआ। इसके आयोजक अशोक मल्होत्रा जी, Director अशोक मल्होत्रा ग्रुप द्वारा किया गया।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

आजकल का इन्सान क्या चाहता है? धर्म का प्रदर्शन या आस्था का दिखावा ?

आज के समय में अक्सर देखने को मिलता है कि कभी चलती ट्रेन में पूजा की जाती है, तो कभी सड़कों पर नमाज अदा की जाती है। धार्मिक आस्था व्यक्ति का निजी विषय है, लेकिन जब धर्म का सार्वजनिक प्रदर्शन राजनीतिक लाभ, पहचान बनाने या लोगों को प्रभावित करने का माध्यम बन जाता है, तो यह चिंता का विषय बन जाता है। लगभग हर धर्म की मूल शिक्षा प्रेम, शांति, करुणा और मानवता पर आधारित है। कोई भी धर्म केवल दिखावे, शक्ति प्रदर्शन या दूसरों से श्रेष्ठ साबित होने की भावना को बढ़ावा नहीं देता। सच्ची भक्ति मन की शुद्धता, अच्छे कर्म और दूसरों के प्रति सम्मान में दिखाई देती है, न कि केवल बाहरी प्रदर्शन में। फिर भी समाज कई बार

ऐसे मुद्दों में उलझ जाता है, जहाँ धर्म के नाम पर भावनाएँ भड़काई जाती हैं और लोग बिना सोचे-समझे विवादों का हिस्सा बन जाते हैं। राजनीति भी कई बार धार्मिक भावनाओं का उपयोग अपने हितों के लिए करती है। जरूरत इस बात की है कि हम धर्म के वास्तविक संदेश को समझें। आस्था का सम्मान करते हुए हमें यह याद रखना चाहिए कि इंसानियत किसी भी धर्म से छोटी नहीं है। जब हम धर्म को जोड़ने का माध्यम बनाएँगे, तभी समाज में सच्ची शांति और भाईचारा स्थापित हो सकेगा।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

UPI Fraud हो जाए तो पैसे वापस मिल सकते हैं?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आज UPI के माध्यम से करोड़ों लेन-देन हर दिन हो रहे हैं। लेकिन इसके साथ UPI Fraud के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल होता है—क्या ठगी के बाद पैसे वापस मिल सकते हैं?

इसका उत्तर है—हाँ, लेकिन यह हर मामले में संभव नहीं होता। यदि Fraud का पता चलते ही तुरंत कार्रवाई की जाए, तो पैसे वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए सबसे पहले अपने बैंक को तुरंत सूचना दें और 1930 Cyber Helpline पर शिकायत दर्ज कराएं। इसके साथ National Cyber Crime Portal पर भी ऑनलाइन शिकायत करें।

शिकायत करते समय Transaction ID, UPI ID, बैंक खाते की जानकारी और Fraud से जुड़े Screenshot सुरक्षित रखें। ये आगे की जांच में महत्वपूर्ण होते हैं।

यदि ठग के खाते में पैसा अभी भी उपलब्ध है, तो संबंधित एजेंसियां उसे रोकने (freeze) का प्रयास कर सकती हैं। लेकिन यदि पैसा कई खातों में ट्रांसफर हो चुका हो या निकाल लिया गया हो, तो पैसा वापस मिलना कठिन हो सकता है।

यह भी याद रखें कि यदि आपने किसी के कहने पर स्वयं UPI PIN डालकर या पैसे भेजकर Transaction किया है, तो मामले की जांच अलग तरीके से होती है। कई लोग Fraud होने के बाद कई घंटे या कई दिन तक इंतजार करते रहते हैं। यही सबसे बड़ी गलती होती है।

निष्कर्ष: UPI Fraud के बाद पैसे वापस मिल सकते हैं, लेकिन इसके लिए तुरंत कार्रवाई करना बहुत जरूरी है। जितनी जल्दी शिकायत दर्ज होगी, पैसा बचने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

जब नामी कारोबारियों ने हंसी में उड़ाया ठगी का दर्द

500 की 'अमानत' संभालते रहे, 8 हजार लेकर उड़ गया 'ठेके का कारिंदा'

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। शहर के कारोबारी हलकों में इन दिनों एक ऐसा किस्सा चटखारे लेकर सुनाया जा रहा है, जिसमें तीन नामी कारोबारी एक सस्ती पेटी और मुफ्त गिलासों के चक्कर में पूरे 8 हजार रुपये का ज्ञान प्राप्त कर बैठे। चर्चा है कि फिरोजपुर रोड पर पीएसयू के सामने अपनी बिल्डिंग के नीचे गाड़ी में बैठे तीन कारोबारी गम गलत कर रहे थे। तभी एक सज्जननुमा व्यक्ति प्रकट हुआ और खुद को पास के शराब ठेके का कर्मचारी बताने लगा। उसने बताया कि ठेका शिफ्ट हो रहा है, इसलिए वह उन्हें 9 हजार रुपये वाली पेटी सिर्फ 8 हजार में दिलवा सकता है। ऊपर से 24 गिलासों का सेट भी मुफ्त दिलवा देगा।

अब सस्ती चीज और मुफ्त का सामान—यह ऐसा मेल था कि कारोबार की तमाम समझदारी कुछ देर के लिए छुट्टी पर चली गई। कथित कारिंदे ने भरोसा बढ़ाने के लिए अपना फोन नंबर भी दिया, लेकिन साथ ही ज्ञान दिया कि अभी फोन मत करना, वरना मालिक को पता चल जाएगा कि ठेके से पेटी गायब हो रही है। जाते-जाते उसने 500 रुपये टिप की मांग भी रखी, मगर ईमानदारी ऐसी दिखाई कि बोला—'टिप के 500 रुपये आपके पास मेरी अमानत रहें, पेटी और गिलास लाकर ही लूंगा।' बस फिर क्या था। कारोबारियों ने 8 हजार रुपये उसके हवाले कर दिए और उसकी 500 रुपये की 'अमानत' पूरी जिम्मेदारी से संभाल ली।

उधर कारिंदा 8 हजार लेकर ऐसा रफूचक्कर हुआ कि न पेटी लौटी, न गिलास और न ही उसकी ईमानदारी। इधर तीनों कारोबारी काफी लम्बे समय तक इस उम्मीद में बैठे रहे कि व्यक्ति आएगा, सामान देगा और अपनी 500 रुपये की अमानत ले जाएगा। लंबे इंतजार के बाद जब सौदे का नशा उतरा, तब समझ आया कि 1 हजार रुपये बचाने और 24 गिलास मुफ्त पाने के चक्कर में 8 हजार रुपये जा चुके हैं।

हालांकि कारोबारियों की एक अच्छी बात यह रही कि उन्होंने इस वाकये को छिपाने के बजाय खुद ही सैरगाह में अपने साथियों को चटखारे लेकर सुनाया। बताया जाता है कि घटना का जिक्र करते हुए वे अपनी ही भूल पर इस कदर हंसते नजर आए कि आसपास बैठे लोग भी लोटपोट हो गए। यानी नुकसान तो हुआ, लेकिन किस्सा शहर को मुफ्त में मिल गया। अब शहर में लोग चुटकी ले रहे हैं कि कारोबारी 8 हजार गंवाकर भी 500 रुपये की अमानत के मालिक जरूर बन गए। वहीं कुछ जानकारों का कहना है कि स्कूलों में पढ़ाया गया पाठ वर्षों बाद व्यावहारिक रूप से समझ आया—लालच बुरी बला है और मुफ्त के गिलास कई बार बहुत महंगे पड़ते हैं।

सरकारी टीचर पति के घर घुसकर पत्नी का गला काट की हत्या, बेडरूम में लहूलुहान लाश मिली

पंजाब/यूटर्न/13 जुलाई। सोमवार सुबह फरीदकोट के मोहल्ला जानिया में एक सरकारी टीचर के घर में घुसकर उसकी अकेली पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी गई। जब महिला का पति स्कूल से ड्यूटी कर घर लौटा तो दरवाजा खटखटाने पर किसी ने नहीं खुला।

पति ने अपनी भाभी को आवाज लगाकर दरवाजा खुलवाया तो बेडरूम में पलंग के पास पत्नी की लहूलुहान लाश पड़ी मिली। लाश के निचले हिस्से पर कोई कपड़ा भी नहीं था। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने के बाद

पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान नीतू कालड़ा (43) के रूप में हुई है। डीएसपी तरलोचन सिंह का कहना है कि फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि नीतू दिव्यांग थीं। उनके पति प्रदीप कालड़ा सरकारी टीचर हैं। मेरी किसी से कोई दुश्मनी नहीं प्रदीप कालड़ा का कहना है कि उसके दो बच्चे हैं। घटना के समय वे और दोनों बच्चे स्कूल में थे। पत्नी हाउस वाइफ थी। पत्नी हैंडीकैप थी। प्रदीप अनुसार उसकी किसी के साथ कोई रंजिश नहीं है। अगर कोई मुझे कहे तो हाथ जोड़ देता हूं। मुझे किसी से कुछ लेना-देना नहीं है। चोर भी आए होंगे तो चोरी करने के लिए भी घर में कुछ नहीं था।

एमएलयू पर उद्योगों की हुंकार, स्थायी नीति और औद्योगिक दर्जे की मांग

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संगठन संघ (एफआईसीओ) ने पंजाब सरकार से उद्योगों से जुड़े दो अहम मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की मांग की है। संगठन ने कहा कि मिश्रित भूमि उपयोग (एमएलयू) क्षेत्रों में संचालित उद्योगों के लिए सितंबर 2026 में समाप्त हो रही संचालन अनुमति (सीटीओ) से पहले स्थायी नीति लागू की जाए। साथ ही मालेरकोटला रोड पर वर्षों से संचालित औद्योगिक इकाइयों को तत्काल एनओसी और अन्य जरूरी मंजूरियां दी जाएं।

एफआईसीओ के अध्यक्ष गुरमीत सिंह कुलार ने कहा कि बार-बार सीटीओ की अवधि बढ़ाना उद्योगों की समस्या का समाधान नहीं है। इससे उद्योगों में अनिश्चितता बनी रहती है और निवेश प्रभावित होता है। उन्होंने मांग की कि मौजूदा एमएलयू क्षेत्रों को नियमित कर स्थायी रूप से औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया जाए। यदि सरकार उद्योगों को स्थानांतरित करना चाहती है तो मुफ्त भूमि बैंक, बिजली कनेक्शन का निःशुल्क स्थानांतरण, पूंजी निवेश सब्सिडी, विशेष पुनर्वास पैकेज और समयबद्ध पुनर्स्थापन नीति लागू की जाए। एफआईसीओ के उपाध्यक्ष बलदेव सिंह अमर ने कहा कि लुधियाना के मालेरकोटला रोड स्थित गिल, रानियां, संगोवाल और आलमगीर क्षेत्रों में 35 से 40 वर्षों से संचालित औद्योगिक इकाइयों को जीएलएडीए और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) से मंजूरी लेने में अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रॉपर्टी कारोबारी पर जानलेवा हमले में एक और आरोपी गिरफ्तार

वीआईपी रोड निवासी हरदीप जिंदल दो दिन के पुलिस रिमांड पर

जीरकपुर/यूटर्न/13 जुलाई। नाभा साहिब - दयालपुरा लिंक रोड पर प्रॉपर्टी कारोबारी इरबनप्रीत सिंह पर हुए जानलेवा हमले के मामले में जीरकपुर पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। इससे पहले पुलिस इस मामले में नामजद आरोपी संदीप सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरदीप जिंदल पुत्र

राज कुमार निवासी वीआईपी रोड, जीरकपुर के रूप में हुई है। रिमांड के दौरान उससे वारदात में शामिल अन्य आरोपियों, हमले में इस्तेमाल हथियारों और पूरी साजिश के संबंध में गहन पूछताछ की जाएगी। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान मामले से जुड़े अहम सुराग मिल सकते हैं। गौरतलब है कि स्वास्तिक विहार निवासी प्रॉपर्टी कारोबारी इरबनप्रीत सिंह ने शिकायत में बताया था कि 16 नवंबर को नाभा साहिब-दयालपुरा लिंक रोड पर 8-9 हथियारबंद लोगों ने तलवारों और लोहे की रॉड से उन पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पीड़ित ने पुरानी रंजिश के चलते संदीप सिंह समेत अन्य लोगों पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर जीरकपुर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस का कहना है कि अब तक इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले की जांच विभिन्न पहलुओं से जारी है।

बठिंडा में चोरों के हौसले बुलंदः तीन दिनों में चार वाहन चोरी

दिन-दहाड़े बाइक, स्कूटी और कार उड़ाने वाले गिरोह का आतंक, सीसीटीवी वायरल; कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/13 जुलाई। शहर में लगातार हो रही चोरी की वारदातों ने स्थानीय निवासियों में दहशत और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। आए दिन किसी न किसी वाहन के चोरी होने की वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जो पुलिस प्रशासन की कार्यक्षमता और मुस्तैदी की पोल खोलती नजर आ रही हैं। चोर अब इतने बेखौफ हो चुके हैं कि वे सार्वजनिक गलियों में और घरों के बाहर खड़े मोटरसाइकिल और महंगी कारें चोरी करके पुलिस के सुरक्षा प्रबंधों को सीधी चुनौती दे रहे हैं। नौजवान वेलफेयर सोसायटी के प्रधान सोनू महेश्वरी ने बताया कि शहर की अमन-कानून की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने ताजा सामने आए मामलों का हवाला देते हुए बताया कि लगातार वायरल हो रही सीसीटीवी वीडियो चोरों के बढ़े हुए हौसलों की गवाही भर रही हैं, जहां दिन-दिहाड़े और रात के अंधेरे में वाहनों को बड़ी आसानी से निशाना बनाया गया है।

जुझार सिंह नगर में मोटरसाइकिल उड़ाया

बीती 10 जुलाई को दो चोरों ने शहर के जुझार सिंह नगर की गली नंबर 3 से एक मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। चोरों ने चेहरे कपड़े से ढका हुआ था, ताकि पहचान न हो सके। ये चोर गली में खड़ी एक मोटरसाइकिल नंबर पीबी 30 जी-4332 को चोरी कर रफूचक्कर हो गए। पीड़ित परिवार द्वारा यह वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करके लोगों को चोरों के बारे में सूचना देने की अपील की गई है।

पाश इलाके बसंत विहार से कार चोरी

बीती 10 जुलाई को शहर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके बसंत विहार से कार चोरी होने की घटना ने सुरक्षा प्रबंधों के दावों को पूरी तरह नाकाम साबित कर दिया है। रात के समय आई एक सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि एक सफेद रंग की कार में 3-4 चोर सवार होकर आते हैं। उनमें से दो युवक बाहर निकलते हैं और गली में खड़ी एक दूसरी सफेद रंग की स्विफ्ट कार का शीशा तोड़कर उसके अंदर दाखिल हो जाते हैं। चोरों द्वारा पहले कार को पीछे की ओर धक्का मारा जाता है और फिर वे कार स्टार्ट करके मौके से भाग निकलते हैं। हैरानी की बात यह है कि इसी इलाके से महज तीन-चार दिन पहले भी एक सफेद रंग की वरना कार चोरी हुई थी। बसंत विहार में लगातार दूसरी बार हुई इस बड़ी चोरी ने पुलिस की गश्त पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

जीटी रोड स्थित अस्पताल के बाहर स्कूटी गायब

बीती 11 जुलाई को चोरों ने जीटी रोड पर स्थित सुखमनी अस्पताल पुखराज सिनेमा के सामने के बाहर एक और वारदात को अंजाम दे दिया। दोपहर के करीब 3 बजे एक युवक, जिसने पीले रंग की टी-शर्ट पहनी हुई थी और गले में काले रंग का दुपट्टा लपेटा हुआ था, काफी देर तक अस्पताल के बाहर खड़ी स्कूटी पर बैठकर बीड़ी पीता रहा। अस्पताल के सुरक्षा गार्ड की नजर भी उस पर पड़ी थी, लेकिन जैसे ही सभी का ध्यान भटका, उसने अपनी हाथ-सफाई दिखाई और स्कूटी चोरी करके फरार हो गया। चोरी हुई इस स्कूटी का नंबर पीबी 19 पी-3933 बताया जा रहा है।

पावर हाउस रोड से भी मोटरसाइकिल चोरी

12 जुलाई को शहर में वाहन चोरों की सक्रियता इस कदर बढ़ चुकी है कि पावर हाउस रोड पर स्थित डाक्टर दियोल वाली साइड से भी एक और मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों ने यहां से काले रंग का एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल उड़ा लिया, जिसका नंबर पीबी-03बीई-2462 है। इस चोरी के बाद इलाके के लोगों में भारी चिंता पाई जा रही है।

पीएम के प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे से पहले ट्राईसिटी और पंजाब में बम धमकी से हड़कंप

स्कूल और रेलवे स्टेशन बताए निशाने पर

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/13 जुलाई। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे से पहले ट्राईसिटी और पंजाब में बम धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। धमकी भरे ईमेल में स्कूलों, रेलवे स्टेशनों और मोहाली मेयर कार्यालय को निशाना बनाने की बात कही गई है, जिसके बाद चंडीगढ़, मोहाली और पंजाब में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, ईमेल में दावा किया गया है कि 17 जुलाई को दोपहर 1:11 बजे स्कूलों, 3:11 बजे मोहाली मेयर कार्यालय और उसी दिन चंडीगढ़ व जालंधर रेलवे स्टेशन पर आईईडी विस्फोट किए जाएंगे। ईमेल में केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का भी उल्लेख किया गया है।

इसके अलावा, कुछ राजनीतिक और उग्रवादी नारे भी लिखे गए हैं। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी है। स्कूलों, रेलवे स्टेशनों और प्रमुख सरकारी भवनों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही साइबर विशेषज्ञों की मदद से ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल धमकी की सत्यता की जांच की जा रही है, लेकिन किसी भी इनपुट को हल्के में नहीं लिया जा रहा। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जा रही है और ट्राईसिटी के प्रमुख स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में पंजाब और चंडीगढ़ के कई स्कूलों को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। हालांकि, उन मामलों में तलाशी अभियान के दौरान कोई विस्फोटक नहीं मिला था, फिर भी इस बार सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता बरत रही हैं और हर पहलू की गहन जांच की जा रही है।

सीएम विंडो बनी जनता की सबसे बड़ी उम्मीद, 14 लाख से अधिक शिकायतों का हुआ समाधान

चंडीगढ़/यूटर्न/13 जुलाई। हरियाणा में आमजन की शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए शुरू की गई सीएम विंडो सुशासन का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के अनुसार शिकायत दर्ज होते ही संबंधित विभाग को भेजी जाती है और एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए जाते हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक सीएम विंडो पर 15.71 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिनमें से 14.09 लाख शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। बाकी शिकायतों पर तय समय-सीमा के भीतर कार्रवाई जारी है। सोमवार को मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव अजय कुमार ने विभिन्न विभागों की शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निपटारा केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ताओं को वास्तविक राहत मिले। समीक्षा के दौरान कई मामलों में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। फतेहाबाद में दो वर्ष से लंबित भावांतर भरपाई राशि, सोनीपत में पंचायत निधि में कथित गड़बड़ी और पानीपत में अवैध मिट्टी खनन से जुड़े मामलों पर भी अधिकारियों को जवाबदेह ठहराते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

गौरतलब है कि हरियाणा सरकार ने 25 दिसंबर 2014 को सीएम विंडो की शुरूआत की थी। शिकायत दर्ज होने के बाद आवेदक को एसएमएस के जरिए पंजीकरण संख्या भेजी जाती है, जिससे वह ऑनलाइन अपनी शिकायत की प्रगति पर नजर रख सकता है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराना है।

लोक मिलनी कार्यक्रम में मेयर पदमजीत सिंह मेहता ने सुनीं वार्ड नंबर 41 की जनसमस्याएं

बठिंडा/यूटर्न/13 जुलाई। जन समस्याओं के समाधान हेतु पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई लोक मिलनी मुहिम के तहत मेयर श्री परमजीत सिंह मेहता द्वारा हरेक वार्ड में पहुंच कर इलाका निवासियों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान करवाया जा रहा है। उक्त क्रम के तहत महापौर श्री मेहता ने पार्षद श्रीमती सुमन शर्मा के वार्ड नंबर 41 में लोक मिलनी कार्यक्रम दौरान जन समस्याएं सुनीं। इस पार्षद श्रीमती सुमन शर्मा के साथ ब्लॉक प्रधान श्री सुरजीत सिंह नागी, श्री आशीष शर्मा, श्री खुशहाल सिंह, श्री गुरी, श्री दीपक सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों से संबंधित मांगों को मेयर के समक्ष रखा, जिन पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर मेयर श्री पदमजीत सिंह मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य को 'रंगला पंजाब' बनाने के संकल्प के साथ लगातार जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को आर्थिक, सामाजिक और बुनियादी सुविधाओं से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'मावां धीआं सत्कार योजना' शुरू की गई है, जबकि 'मेरी रसोई योजना' के तहत जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क राशन किट वितरित की जा रही हैं। इन योजनाओं से हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। मेयर ने कहा कि पंजाब देश का पहला राज्य है, जहां सड़क सुरक्षा फोर्स की तैनाती की गई है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार गैंगस्टरों और नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और एसआईपी एबाकस अकादमी ने आयोजित की पेंटिंग प्रतियोगिता

चंडीगढ़/यूटर्न/13 जुलाई। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने एसआईपी एबाकस अकादमी के सहयोग से पेंटिंग प्रतियोगिता और सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सुरक्षित सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक करना था।

यह कार्यक्रम यूटी चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, आईपीएस के नेतृत्व तथा आईजीपी पुष्पेंद्र कुमार, आईपीएस, एसएसपी (सुरक्षा एवं ट्रैफिक) सुमेर प्रताप सिंह, आईपीएस और डीएसपी ट्रैफिक (आर एंड डी) एवं रोड सेफ्टी लक्ष्य पांडे, दानिप्स के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। सेक्टर-30ए स्थित बाबा माखन शाह लोबाना में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर-9, चितकारा इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-25, सेंट ऐनी स्कूल, सेक्टर-32 और दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर-40 के 1,200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने और अपने अभिभावकों के साथ मिलकर सुरक्षित एवं दुर्घटना-मुक्त चंडीगढ़ बनाने का संदेश दिया गया। इस दौरान करीब 1,500 अभिभावक भी सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र में शामिल हुए। जागरूकता सत्र में चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क, सेक्टर-23 की प्रभारी इंस्पेक्टर डॉ. पर्वेश शर्मा ने अपनी टीम—एसआई रोशनी, हेड कांस्टेबल राहुल कुमार, सीनियर कांस्टेबल राजीव, सीनियर कांस्टेबल नवीन, कांस्टेबल प्रशांत और कांस्टेबल प्रदीप के साथ प्रतिभागियों को मोटर वाहन अधिनियम-1988 (संशोधित 2019), केंद्रीय मोटर वाहन नियम-1989 और मोटर वाहन ड्राइविंग विनियम-2017 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों का पालन केवल स्वयं की सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि अन्य यात्रियों और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

यूटर्न टाइम

उद्घाटन से पहले ही कॉजवे के रिफ्लेक्टर उखाड़े, स्थानीय लोगों में रोष

गुलाबगढ़-बहेड़ा मार्ग पर नगर कौंसिल ने हाल ही में कराया है निर्माण

डेराबस्सी/यूटर्न/13 जुलाई। गुलाबगढ़ रोड से बहेड़ा गांव को जाने वाले मार्ग पर नगर कौंसिल की ओर से हाल ही में बनाए गए कॉजवे का उद्घाटन अभी होना बाकी है, लेकिन उससे पहले ही अज्ञात शरारती तत्वों ने उस पर लगाए गए सुरक्षा रिफ्लेक्टर उखाड़ दिए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष है। लोगों ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और कॉजवे पर दोबारा रिफ्लेक्टर लगाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए नगर कौंसिल ने गुलाबगढ़-बहेड़ा मार्ग पर पुराने कॉजवे का नए सिरे से निर्माण कराया था। करीब चार माह में निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसके उद्घाटन की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने कॉजवे के दोनों किनारों पर लगाए गए सुरक्षा रिफ्लेक्टर उखाड़ दिए, जिससे सड़क सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रिफ्लेक्टर रात के समय वाहन चालकों को मार्ग की दिशा बताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके हटने से विशेषकर बरसात और अंधेरे के दौरान दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। लोगों ने आशंका जताई कि यदि जल्द नए रिफ्लेक्टर नहीं लगाए गए तो रात के समय यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि पिछले वर्ष बरसात के दौरान इस स्थान पर तेज बहाव के कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो गया था। उस समय एक बाइक सवार अपनी मोटरसाइकिल समेत तेज पानी में बहने से बाल-बाल बचा था। इसके बाद स्थानीय लोगों की मांग पर नगर कौंसिल ने पुराने ढांचे को हटाकर नया और मजबूत कॉजवे तैयार कराया, ताकि बरसात में भी लोगों का आवागमन सुरक्षित रह सके।

लोगों का कहना है कि सार्वजनिक संपत्ति जनता के टैक्स के पैसे से तैयार की जाती है। ऐसे में उसे नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने और निगरानी बढ़ाने की मांग

स्थानीय लोगों ने नगर कौंसिल और प्रशासन से मांग की है कि कॉजवे पर उखाड़े गए सभी रिफ्लेक्टर तुरंत दोबारा लगाए जाएं। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य उपलब्ध माध्यमों से घटना की जांच कर दोषियों की पहचान की जाए। लोगों ने कॉजवे की नियमित निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की है, ताकि विकास कार्यों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

बेखौफ लुटेरों ने गन पॉइंट पर मां-बेटी को बंधक बनाया, 20 लाख के गहने और बुलेट ले गए

पंजाब/यूटर्न/13 जुलाई। तरनतारन के अधीन आते गांव नौरंगाबाद में रविवार देर रात हथियारों से लैस अज्ञात बदमाशों द्वारा एक घर को निशाना बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। लुटेरों ने घर में अकेली मौजूद मां-बेटी और एक 5 वर्षीय मासूम बच्ची को बंदूक की नोक (गनपॉइंट) पर बंधक बना लिया और लाखों रुपये की नकदी, 20 लाख रुपये के सोने के आभूषण तथा अन्य घरेलू सामान लूटकर फरार हो गए। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, यह वारदात उस समय हुई जब बलजिंदर कौर, उनकी बेटी अमोलदीप कौर और एक पांच साल की बच्ची घर में मौजूद थीं। देर रात अचानक घर में घुसे अज्ञात बदमाशों ने हथियारों के बल पर तीनों को काबू कर लिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए बदमाशों ने उन्हें एक कमरे में बंधक बनाकर बंद कर दिया।

गैस सिलेंडर और सीसीटीवी का डीवीआर भी ले गए लुटेरे

पीड़ित परिवार के मुताबिक, लुटेरे अलमारियों के ताले तोड़कर करीब 20 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात और लाखों रुपये की नकदी समेत ले गए। हैरत की बात यह है कि लुटेरे सिर्फ नकदी और गहने ही नहीं, बल्कि घर में खड़ी एक बुलेट मोटरसाइकिल, घरेलू गैस सिलेंडर और पहचान छुपाने के मकसद से घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ उखाड़ ले गए।

पंजाब के उद्योगों ने मांगी निर्बाध बिजली, कटौती पर करोड़ों का नुकसान और जताया रोष

लुधियाना/यूटर्न/13 जुलाई। पंजाब में लगातार हो रही अनियोजित बिजली कटौती को लेकर यूनाइटेड साइकिल एंड पार्ट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने पंजाब सरकार और पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि बिना पूर्व सूचना के होने वाली बिजली कटौती से उद्योगों का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष हरसिमरजीत सिंह लकी और उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह नवयुग ने कहा कि पंजाब का साइकिल और ऑटो पार्ट्स उद्योग देश-विदेश के बाजारों में समय पर सप्लाई के लिए लगातार काम करता है।

फिटनेस और स्टाइल से फिर सुर्खियों में शरवरी वाघ

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ का नया ग्लैमरस लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्पोर्टी आउटफिट में उनका फिट और टोंड लुक फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। पहाड़ी वादियों के बीच शरवरी का कॉन्फिडेंट अंदाज और दमदार फिटनेस चर्चा का विषय बन गया है। फैंस उनकी डेडिकेटेड फिटनेस रूटीन और फैशन सेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। शरवरी का यह स्टाइलिश लुक एक बार फिर साबित करता है कि वह बॉलीवुड की उभरती फैशन आइकन में शुमार हैं।

खाड़ी युद्ध फिर शुरू: यूएस की बमबारी तेज होने पर ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में हमले किए

चंडीगढ़/यूटर्न/13 जुलाई। सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया। तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सेना से जुड़ी जगहों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों का एक नया दौर शुरू किया। इससे बड़े क्षेत्रीय युद्ध और ग्लोबल एनर्जी सप्लाई में और रुकावट आने का डर पैदा हो गया है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, ये हमले बहरीन, कुवैत, ओमान और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए। ये हमले ईरानी सैन्य बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमलों के जवाब में किए गए थे। कई खाड़ी देशों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिवेट कर दिए गए, जबकि कई जगहों पर धमाकों और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने की खबरें आईं। यह ताजा तनाव अमेरिकी हवाई हमलों के बाद बढ़ा है। अमेरिका ने ईरान के डिफेंस एसेट्स (जैसे कोस्टल रडार सिस्टम, मिसाइल लॉन्च साइट और नेवल फैसिलिटी) पर हमले किए थे। अमेरिका ने तेहरान पर कमर्शियल शिपिंग को खतरा पहुंचाने और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया था।

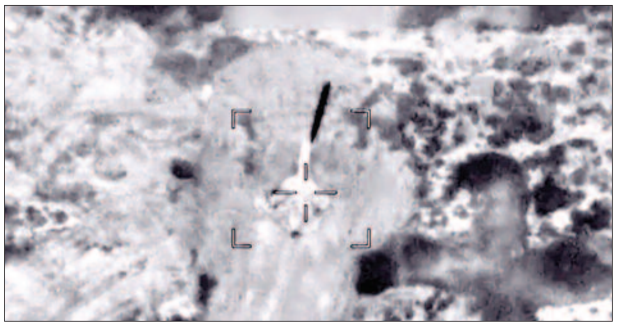

अमेरिकी सैन्य ठिकानों खिलाफ जवाबी कार्रवाई का हिस्सा

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि ये हमले क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई का हिस्सा थे। तेहरान ने यह भी दोहराया कि जो देश ईरान के खिलाफ हमलों के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करने देंगे, उन्हें वैध लक्ष्य माना जाएगा। इससे खाड़ी के पड़ोसी देशों में चिंता बढ़ गई है, जो इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने से बचना चाहते हैं।

युद्ध-विराम हुआ खत्म

दुश्मनी के इस नए दौर ने पिछले महीने हुए नाजुक संघर्ष-विराम को खत्म कर दिया है। बड़े टकराव को रोकने की कूटनीतिक कोशिशें रुक गई हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं और किसी ने भी तनाव कम करने की तुरंत इच्छा नहीं दिखाई है। रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे दुनिया का काफी तेल निर्यात होता है, इस संकट के केंद्र में है। सुरक्षा चिंताओं के कारण इस जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है, जबकि ग्लोबल एनर्जी मार्केट में लंबे समय तक रुकावट के डर से तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

खाड़ी देशों ने की हमले की निंदा

कई खाड़ी देशों ने अपनी जमीन पर हुए हमलों की निंदा की और कहा कि वे इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं। क्षेत्रीय सरकारों ने सैन्य तैयारी बढ़ा दी है, एयर डिफेंस को मजबूत किया है और संकट को बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदलने से रोकने के लिए संयम बरतने की अपील की है। सैन्य विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच लगातार हमलों से क्षेत्र के अन्य देश भी इस संघर्ष में शामिल हो सकते हैं। इससे मध्य पूर्व में अस्थिरता बढ़ सकती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार, एनर्जी सिक्योरिटी और समुद्री नेविगेशन के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं। दोनों पक्षों के पीछे हटने का कोई संकेत न मिलने के कारण कूटनीतिक रास्ते भारी दबाव में हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय लड़ाई को खाड़ी क्षेत्र से बाहर फैलने से पहले इसे तुरंत रोकने की मांग कर रहा है।

खालिस्तानी झंडा फहराने और तिरंगे के अपमान के मामले में दो दोषी, अदालत ने सुनाई सजा

पहले ही काट चुके थे सजा, रिहाई के आदेश | **मोगा डीसी कार्यालय में 2020 में हुई थी घटना**

मोहाली/यूटर्न/13 जुलाई। मोगा के डीसी कार्यालय परिसर में खालिस्तानी झंडा फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के बहुचर्चित मामले में मोहाली स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने सोमवार को आरोपी आकाशदीप सिंह उर्फ मुन्ना और जगविंदर सिंह उर्फ जग्गा को दोषी करार देते हुए विभिन्न धाराओं के तहत सजा सुनाई। हालांकि अदालत ने दोनों को तत्काल रिहा करने के आदेश भी दिए, क्योंकि वे सुनाई गई सजा की अवधि पहले ही न्यायिक हिरासत में पूरी कर चुके थे। दोनों आरोपियों द्वारा लगाया गया जुमार्ना भी जमा करा दिया गया है। विशेष एनआईए न्यायाधीश दिनेश कुमार वाधवा की अदालत में सुनवाई के दौरान दोनों आरोपियों ने स्वेच्छा से अपना अपराध स्वीकार किया। अदालत ने यह सुनिश्चित करने के बाद कि स्वीकारोक्ति बिना किसी दबाव, प्रलोभन या धमकी के की गई है, उन्हें भारतीय न्याय संहिता से पूर्व लागू भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया। आरोपी अकाशदीप सिंह व जगविंदर सिंह को आईपीसी 120बी में पांच साल कैद व तीन हजार जुमार्ना, 153बी में दो साल कैद व दो हजार जुमार्ना, आईपीसी 201 में दो साल कैद व दो हजार जुमार्ना, आईपीसी-212 में दो साल कैद व दो हजार जुमार्ना, आईपीसी 204 में 1 साल कैद व दो हजार जुमार्ना, यूएपीए-10 में दो साल कैद व दो हजार जुमार्ना, यूएपीए-13 में पांच साल कैद व तीन हजार जुमार्ना,

पंजाब के सबसे बुरे दौर में सबसे खामोश शिकार: हजारों पालतू कुत्ते

संदीप शर्मा, सम्पादक

पंजाब में उग्रवाद के अनगिनत किस्सों में से एक किस्सा दशकों से दबा हुआ है। दिलजीत दोसांझ की फि ल्म 'सतलुज' 1990 के दशक में पंजाब में कथित पुलिस ज्यादतियों के कारण मारे गए गुमनाम सिखों और उनके लिए इंसाफ की मांग करने वाले जसवंत सिंह खालड़ा की कहानी बताती है। लेकिन एक और कहानी है जिसे सुनाया जाना चाहिए: उग्रवाद के दौर में हजारों पालतू कुत्ते मारे गए; वे इसलिए नहीं मरे कि वे गोलीबारी में फंस गए थे या अफरातफरी में छोड़ दिए गए थे, बल्कि इसलिए क्योंकि उनके मालिकों को उन्हें मारना पड़ा। कुत्ते के भौंकने से सुरक्षा बलों को पता चल सकता था या आस-पास छिपे उग्रवादियों की मौजूदगी का राज खुल सकता था। जो परिवार आतंकवादियों की बंदूक और सरकार के शक के बीच जी रहे थे, उनके लिए एक वफादार पालतू जानवर भी एक खतरनाक बोझ बन गया था। चुनाव दिल तोड़ने वाला था: या तो कुत्ते को रखें और अपने परिवार की सुरक्षा को खतरे में डालें, या फिर एक दिन और ज़िंदा रहने के लिए एक वफादार साथी की कुर्बानी दें। इतिहास हत्याओं, बम धमाकों और मुठभेड़ों को दर्ज करता है। यह मरने वालों की गिनती करता है और संगठनों की सूची बनाता है। लेकिन यह शायद ही कभी उन अनदेखे नुकसानों को दर्ज करता है। वह परिवार जिसने सूरज डूबने के बाद शादियां मनाना बंद कर दिया, वह किसान जिसने रात में अपने खेत छोड़ दिए, वह दुकानदार जिसने शाम होने से पहले ही अपनी दुकान बंद कर दी, या वह बच्चा जो सुबह उठा तो पाया कि परिवार का कुत्ता हमेशा के लिए चला गया है। ये इतिहास के मामूली किस्से नहीं हैं। ये इस बात का सबूत हैं कि डर किसी समाज के साथ क्या कर सकता है।

आतंकवाद सिर्फ.राजनीतिक सत्ता नहीं चाहता। यह मनोवैज्ञानिक नियंत्रण चाहता है। इसका मकसद सिर्फ.मारना नहीं, बल्कि लोगों को बिना बंदूक दिखाए अपना व्यवहार बदलने पर मजबूर करना है। जब कोई परिवार यह तय करता है कि उसके पालतू जानवर का भौंकना भी बर्दाश्त करने के लिए बहुत खतरनाक है, तो आतंक अपना मकसद पूरा कर चुका होता है। आज एक ऐसी पीढ़ी है जो उग्रवाद के दौर को सिर्फ.टुकड़ों में जानती है, सोशल मीडिया क्लिप, राजनीतिक भाषण या चुनिंदा कहानियों के जरिए। उन्होंने उस डर को नहीं जिया जिसने तय किया कि लोग कहां जाएंगे, किससे बात करेंगे और दुख की बात है कि क्या वे अपने घर में पालतू जानवर रख सकते हैं या नहीं। ऐसी कहानियाँ नारों की तुलना में ज्यादा ईमानदार इतिहास बताती हैं।

आतंकवाद की बड़ी भयावहता के सामने अपने ही कुत्ते को दफनाते परिवार की तस्वीर मामूली लग सकती है। फिर भी, यह कुछ बहुत गहरी बात बयां करती है। जब डर घर में घुस आता है, आँगन तक पहुँच जाता है और कुत्ते के भौंकने की आवाज को भी खामोश कर देता है। पंजाब के कुत्तों की खामोश मौतें उस दौर के अनकहे दर्द की कहानी बयां करती हैं, एक ऐसा दर्द जिसका ब्यौरा इतिहास के पन्नों में अभी दर्ज होना बाकी है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372